अंडे देखकर चूज़ों की सेहत का अनुमान

नर स्टार्लिंग पक्षी अंडों का रंग देखकर यह तय करते हैं कि उनसे निकले चूज़ों की कितनी देखभाल करेंगे। आम तौर पर देखा गया है कि वे गाढ़े रंग के अंडों से पैदा हुए चूज़ों की देखभाल हल्के रंग के अंडों से पैदा हुए चूज़ों की अपेक्षा ज़्यादा करते हैं। सवाल यह पैदा होता है कि क्या अंडों के रंग से चूज़ों की सेहत का अनुमान लगता है।

स्पैनिश नेशनल रिसर्च कौंसिल के जोस जेवियर कुएर्वो और उनकी टीम इसी सवाल का जवाब पाने को उत्सुक थी। तो उन्होंने 33 मादा स्टार्लिंग पक्षियों के पंख करीब 5 प्रतिशत कतर डाले। इन मादा पक्षियों को अपने भोजन का इन्तज़ाम करने के लिए अब ज़्यादा ऊर्जा खर्च करनी पड़ती थी। इन मादा पक्षियों ने थोड़े हल्के रंग के अंडे दिए जबकि सामान्य पंखों वाले मादा पक्षियों के अंडे गहरे रंग के होते हैं। इसके अलावा शोधकर्ताओं ने कुछ मादा पक्षियों के पंख इस तरह कतरे थे कि उनकी उड़ान क्षमता पर कोई असर न पड़े। इनके अंडे भी गहरे रंग के थे। इससे इतना तो पता चलता ही है कि अंडों का रंग मां की सेहत से निर्धारित होता है। शोधकर्ताओं ने अब अपना ध्यान इन अंडों से निकलने वाले चूज़ों पर लगाया। इसके लिए उन्होंने घोंसलों में से अंडे निकालकर एक इन्क्यूबेटर में रख दिए और उनकी जगह हल्के या गाढ़े रंग के नकली अंडे रख दिए।

जब चूज़े निकलने का समय आया तो टीम ने इन्क्यूबेटर से चूज़े निकालकर घोंसलों में वापिस रख दिए और नकली अंडे हटा दिए। मतलब नर पक्षी को नकली अंडों के रंग के आधार पर चूज़ों के बारे में फैसला करना था।

यह देखा गया कि जिन नर पक्षियों को 'पता' था कि उनके चूज़े गाढ़े रंग के अंडों से निकले हैं, वे उन्हें ज़्यादा बार भोजन कराने आते थे। हल्के रंग के अंडों से निकले चूज़ों की अपेक्षा गाढ़े रंग के अंडों से निकले चूज़ों को दुगनी बार भोजन मिला। अर्थात् नर स्टार्लिंग गाढ़े रंग के अंडों से निकले चूज़ों की ज़्यादा देखभाल करते हैं।

शोधकर्ताओं ने यह भी देखा कि गाढ़े रंग के अंडों से निकले चूज़ों का प्रतिरक्षा तंत्र भी ज़्यादा मज़बूत था। *दी अमेरिकन नेचुरेलिस्ट* में प्रकाशित इस शोध पत्र के निष्कर्ष स्वरूप क्यूएर्वो का कहना है कि अंडों के रंग के आधार पर नर स्टार्लिंग अपनी मादा साथी की फिटनेस और उसके आधार पर पैदा होने वाले चूज़ों की फिटनेस का अनुमान लगाते हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***